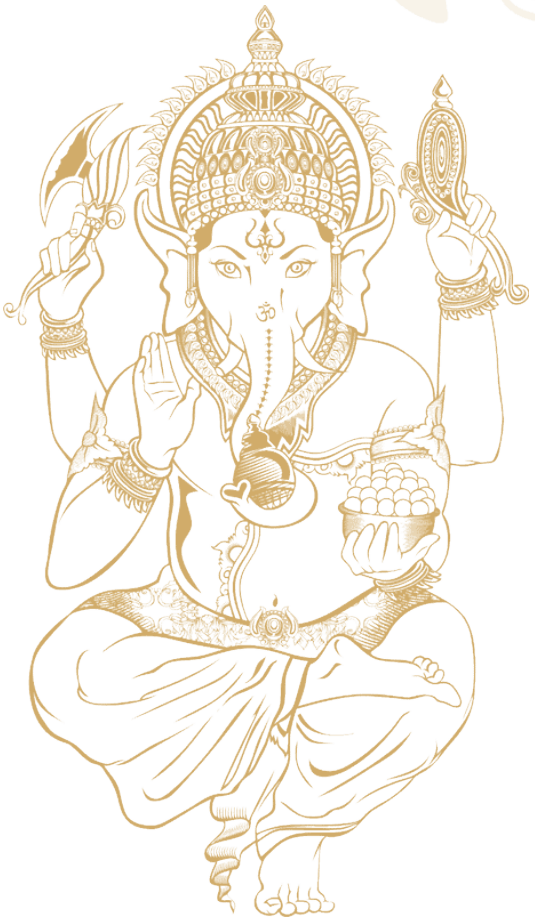

Tanish

Divya

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121283201

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121283201 Date: 15/02/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
3-04/01/2008	जन्म तिथि	01/08/2010
गुरु-शुक्रवार	दिन	रविवार
घंटे 07:00:00	जन्म समय	07:42:00 घंटे
घटी 59:04:24	जन्म समय(घटी)	04:16:27 घटी
India	देश	India
Jaitaran	स्थान	Jodhpur
26:14:00 उत्तर	अक्षांश	26:18:00 उत्तर
74:00:00 पूर्व	रेखांश	73:08:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:34:00	स्थानिक संस्कार	-00:37:28 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:22:14	सूर्योदय	06:02:46
17:55:03	सूर्यास्त	19:24:21
23:58:17	चित्रपक्षीय अयनांश	24:00:35

धनु	लग्न	सिंह
गुरु	लग्न लग्नाधिपति	सूर्य
तुला	राशि	मीन
शुक्र	राशि-स्वामी	गुरु
विशाखा	नक्षत्र	रेवती
गुरु	नक्षत्र स्वामी	बुध
3	चरण	2
शूल	योग	धृति
बालव	करण	गर
ते-तेजवन्त	जन्म नामाक्षर	दो-द्रोणी
मकर	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह
शूद्र	वर्ण	विप्र
मानव	वश्य	जलचर
व्याघ्र	योनि	गज
राक्षस	गण	देव
अन्त्य	नाड़ी	अन्त्य
सर्प	वर्ग	सर्प

Gayatri jyotish karyalaya
Sojat Road, Rajasthan 306103, India
9799364202, 9929276521
rakeshvyas1988@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
गुरु 4वर्ष 4मा 3दि		12:44:46	धनु	लग्न	सिंह	05:27:14	बुध 11वर्ष 9मा 23दि	
शनि		19:04:41	धनु	सूर्य	कर्क	14:44:29	केतु	
08/05/2012		29:42:54	तुला	चंद्र	मीन	20:44:00	25/05/2022	
08/05/2031		04:49:59	मिथु व	मंगल	कन्या	07:16:22	25/05/2029	
शनि	12/05/2015	29:17:28	धनु	बुध	सिंह	11:20:20	केतु	21/10/2022
बुध	19/01/2018	09:44:39	धनु	गुरु व	मीन	09:16:17	शुक्र	22/12/2023
केतु	27/02/2019	11:15:16	वृश्चि	शुक्र	सिंह	29:38:34	सूर्य	27/04/2024
शुक्र	29/04/2022	14:22:37	सिंह व	शनि	कन्या	06:52:49	चन्द्र	26/11/2024
सूर्य	11/04/2023	04:52:43	कुंभ व	राहु व	धनु	17:36:11	मंगल	25/04/2025
चन्द्र	09/11/2024	04:52:43	सिंह व	केतु व	मिथु	17:36:11	राहु	13/05/2026
मंगल	19/12/2025	21:29:36	कुंभ	हर्ष व	मीन	06:18:33	गुरु	19/04/2027
राहु	25/10/2028	26:22:48	मक	नेप व	कुंभ	03:48:14	शनि	28/05/2028
गुरु	08/05/2031	05:16:38	धनु	प्लूटो व	धनु	09:14:41	बुध	25/05/2029

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:58:17 चित्रपक्षीय अयनांश 24:00:35

लग्न-चलित

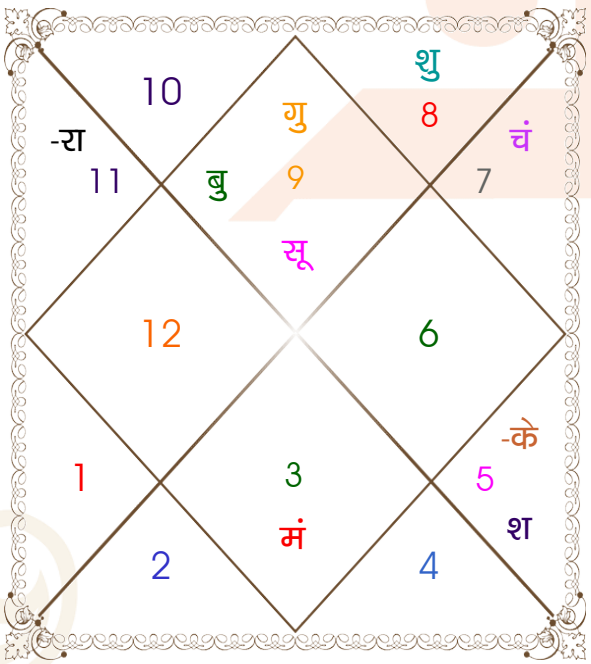

लग्न-चलित

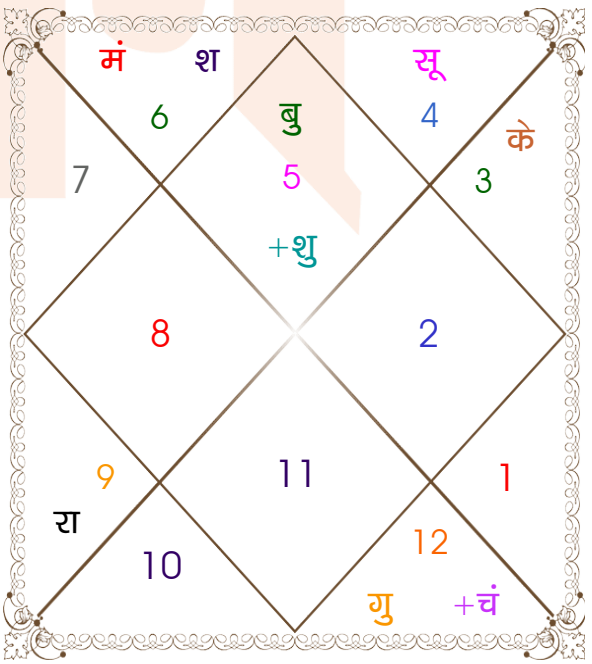

Gayatri jyotish karyalaya
Sojat Road, Rajasthan 306103, India
9799364202, 9929276521
rakeshvyas1988@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	गज	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	मीन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	5.00		

कुल : **5 / 36**

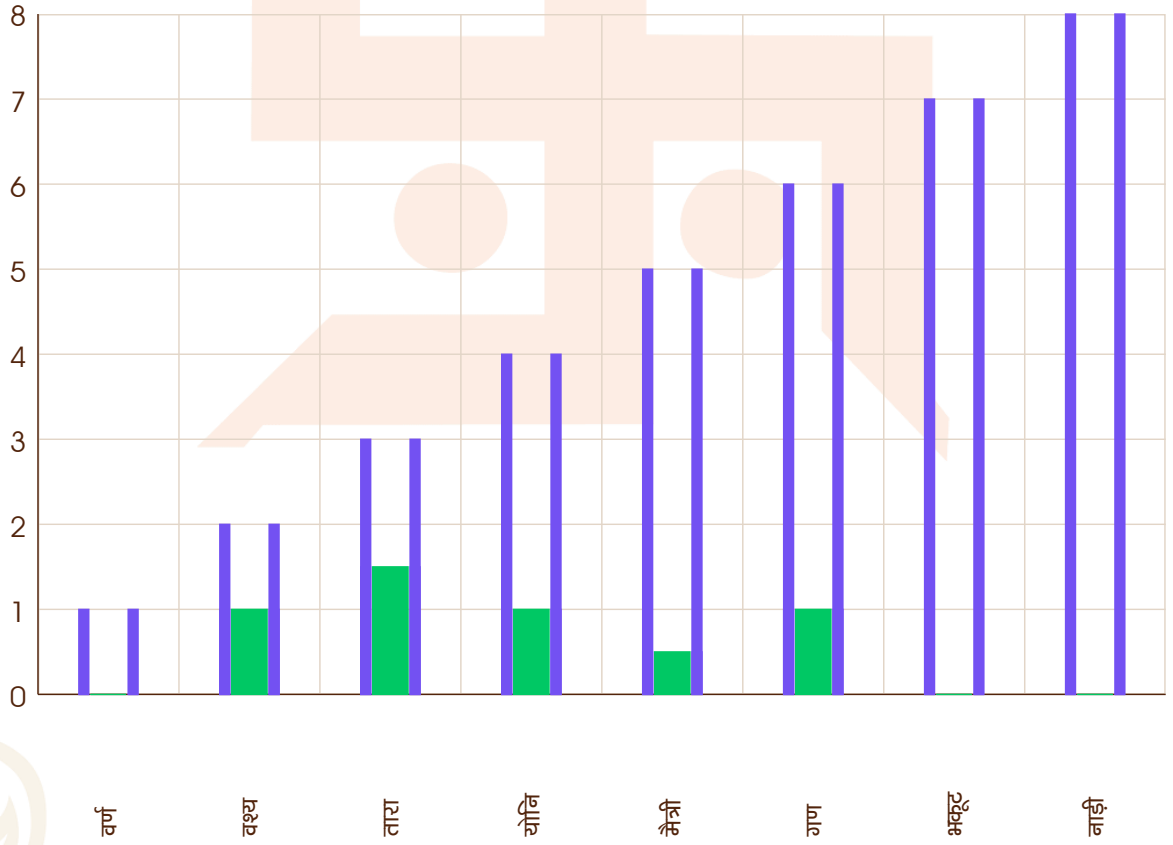

Gayatri jyotish karyalaya
Sojat Road, Rajasthan 306103, India
9799364202, 9929276521
rakeshvyas1988@gmail.com

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Divya का नक्षत्र रेवती है।

Tanish का वर्ग सर्प है तथा Divya का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Tanish और Divya का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Tanish मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि Tanish कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Divya मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

Tanish तथा Divya में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Tanish का वर्ण शूद्र है तथा Divya का वर्ण ब्राह्मण है। क्योंकि Divya का वर्ण Tanish के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। जिसके कारण दोनों के बीच हमेशा अहं का टकराव होगा। Divya हमेशा श्रेष्ठता मनोग्रंथि से ग्रसित रहेगी तथा हमेशा स्वयं को पति से अधिक होशियार समझती रहेगी। कन्या की यही श्रेष्ठता का स्व अहसास उसके पति एवं बच्चों के विकास को बाधित कर रहेगा। साथ ही Tanish के अन्दर हीन भावना घर कर जायेगी।

वश्य

Tanish का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं Divya का वश्य जलचर है अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। मनुष्य एवं जलचर दोनों प्रकृति के अंग हैं यद्यपि कि दोनों के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद बिल्कुल अलग होते हैं तथा प्रकृति ने दोनों के अलग-अलग कार्य एवं उत्तरदायित्व निर्धारित किये हैं। इसलियें Tanish एवं Divya दोनों सामान्यतः एक-दूसरे के कार्यों में हस्तक्षेप नहीं करेंगे तथा एक-दूसरे के लिए हानिकारक सिद्ध नहीं होंगे। सामान्यतः Tanish Divya पर नियंत्रण स्थापित करने में समर्थ होगा। हालांकि यह अनुकूल मिलान नहीं है क्योंकि Tanish हमेश Divya के ऊपर हावी रहेगा।

तारा

Tanish की तारा मित्र तथा Divya की तारा विपत है। Divya की तारा विपत होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। यह मिलान Tanish एवं उसके परिवार के लिए दुर्भाग्य एवं नुकसान का कारण बन सकता है। परन्तु कड़े एवं लगातार प्रयासों के बाद परिणाम सुखदायी हो सकता है। संभव है कि Divya का रुख सहयोगात्मक नहीं हो तथा आपसी विश्वास, प्रेम एवं समझ की कमी बनी रहे। अक्सर पति एवं पत्नी के बीच संघर्ष एवं लड़ाई-झगड़े रह सकते हैं तथा बच्चे भी इसका गलत फायदा उठायेंगे। जिसके कारण संभव है कि बच्चे योग्य एवं आज्ञाकारी नहीं हों।

योनि

Tanish की योनि व्याघ्र है तथा Divya की योनि गज है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच सामान्य वैर है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान न होकर बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों की रुचि एवं पसंद नापसंद अलग- अलग ही होंगी। इनके वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में अक्सर लड़ाई झगड़े हो सकते हैं। कभी- कभी लड़ाई झगड़ा घरेलू हिंसा का रूप भी ले सकता है। लड़ाई झगड़े के कारण पारिवारिक माहौल तनावपूर्ण एवं कलेशपूर्वक ही रहेगा। दोनों कभी कभी एक दूसरे पर हिंसक आक्रमण भी कर सकते हैं। दोनों के बीच झगड़े का कारण बुद्धिमत्ता एवं परस्पर समझदारी की कमी ही हो सकती है। यदि समझदारी और समझबूझ से काम न लिया गया तो कुछ समय अंतराल पर यह स्थिति मुकदमेबाजी तक भी पहुंच सकती है। इस प्रकार परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना का अभाव

ही रहेगा। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी रह सकती है। कभी-कभी धनहानि होने की भी संभावना होगी। अतः यदि दोनों परस्पर समझदारी एवं बुद्धि से काम लें तो स्थिति को सुधारा भी जा सकता है। परस्पर लड़ाई झगड़े और वैचारिक मतभेद रहने के कारण परिवार में सुख समृद्धि का अभाव ही देखने को मिलेगा। इस प्रकार वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है अतः सतर्कता बरतें।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Tanish का राशि स्वामी Divya के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि Divya का राशि स्वामी Tanish के राशि स्वामी के साथ शत्रु का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए सम किंतु दूसरा उसे शत्रु मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

Tanish का गण राक्षस तथा Divya का गण देव है। अर्थात Divya का गण Tanish के गण से श्रेष्ठ है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जिसके कारण Tanish निर्दयी, कठोर, निष्ठुर एवं झगड़ालू हो सकते हैं। साथ ही Tanish का Divya के साथ क्रूर व्यवहार करने की संभावना बनी रह सकती है। पति-पत्नी, अक्सर कुत्ते-बिल्लियों की भांति झगड़ा कर सकते हैं एवं परिवार में अक्सर अशांति का माहौल बना रहेगा। Divya हमेशा हर कदम पर समझौता करने की कोशिश करती रहेगी ताकि दोनों का संबंध बना रहे।

भकूट

Tanish से Divya की राशि षष्ठम भाव में स्थित है तथा Divya से Tanish की राशि अष्टम भाव में स्थित है। जिसके कारण यह मिलान बिल्कुल अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें षडाष्टक दोष लग रहा है। जिसके कारण Tanish लाइलाज बीमारी से ग्रस्त हो सकते हैं तथा अक्सर उनके जलने अथवा दुर्घटनाग्रस्त होने की संभावना बनी रहेगी। Divya को स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकती हैं तथा परिवार के सदस्यों से वैमनस्य होने की संभावना भी रहेगी। पति-पत्नी के बीच वैचारिक मतभेद रह सकते हैं तथा अक्सर लड़ाई-झगड़े होते रहेंगे। दोनों के बीच तनावपूर्ण स्थिति पूरे परिवार के लिए समस्या एवं पीड़ा बन जायेगी। मुकदमेबाजी होने से अलगाव एवं तलाक की संभावना भी रहेगी।

नाड़ी

Tanish की नाड़ी अन्त्य है तथा Divya की नाड़ी भी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान

नहीं है। Tanish एवं Divya की एक ही नाड़ी अन्त्य होने के कारण शरीर में श्लेष्मा की अत्यधिक वृद्धि होने की संभावना है। जोकि भावी दम्पत्ति के लिए खतरे की सूचक हैं। जिसके प्रभाववश संतान की मृत्यु भी संभव है। आपको श्वांस की तकलीफ, दमा जैसी बीमारियां तथा कमजोर स्वास्थ्य का सामना करना पड़ सकता है। आपकी संतान मानसिक रोग, सुस्त विकास एवं निम्न बौद्धिक स्तर की शिकार हो सकती हैं।

मेलापक फलित

स्वभाव

Tanish की जन्म राशि वायुतत्व युक्त तुला तथा Divya की राशि जलतत्व युक्त मीन राशि है जल तथा वायुतत्व में नैसर्गिक विषमता होने के कारण Tanish और Divya में स्वभावगत असमानता रहेगी जिससे परस्पर संबध तनाव पूर्ण रहेंगे तथा वेवाहिक जीवन विशेष अच्छा नहीं होगा। अतः मिलान अनुकूल नहीं होगा।

Tanish की जन्म राशि का स्वामी शुक्र तथा Divya की जन्म राशि का स्वामी बृहस्पति परस्पर शत्रु तथा समराशियों में स्थित है। वैवाहिक जीवन में सुख के लिए यह ग्रह स्थिति विशेष अच्छी नहीं होगी। इसके प्रभाव से Tanish और Divya के मध्य परस्पर मतभेद एवं विरोध रहेगा तथा एक दूसरे के गुणों की उपेक्षा करके कमियों पर विशेष ध्यान देंगे फलतः आपसी संबंधों में तनाव उत्पन्न होगा तथा एक दूसरे को सुख दुख में सहयोग अल्प मात्रा में ही प्रदान करेंगे।

Tanish एवं Divya की राशियां परस्पर षष्ठ एवं अष्टम भाव में पड़ती हैं। शास्त्रानुसार यह प्रबल भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त अशुभ प्रभावों में वृद्धि होगी तथा दाम्पत्य संबंध उग्रता का रूप धारण करेंगे। साथ ही एक दूसरे के प्रति आलोचनात्मक दृष्टि कोण रहेगा तथा सुख सहयोग प्रदान करने की अपेक्षा विवाद आदि पर अधिक समय व्यतीत होगा। इसके अतिरिक्त एक दूसरे के गुणों की उपेक्षा करके कमियों पर विशेष ध्यान देंगे अतः तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न होगी ।

Tanish का वश्य मानव तथा Divya का वश्य जलचर है। मानव एवं जलचर में नैसर्गिक विषमता होने के कारण इनकी अभिरूचियों में अंतर रहेगा तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी आवश्यकताएं अलग होनंगी। साथ ही दाम्पत्य संबधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में असमर्थ रहेंगे।

Tanish का वर्ण शूद्र तथा Divya का वर्ण ब्राह्मण है अतः इनकी कार्य क्षमताओं में भी अंतर रहेगा। Tanish की प्रवृति किसी भी कार्य को परिश्रम तथा ईमानदारी से पूर्ण करने की रहेगी जबकि Divya शैक्षणिक धार्मिक एवं सत्कार्यो को ही सम्पन्न करेंगी।

धन

Tanish और Divya दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

Tanish और Divya अन्त्य नाड़ी में उत्पन्न हुए हैं। अतः एक ही नाड़ी में उत्पन्न होने के कारण उनका स्वास्थ्य नाड़ी दोष से प्रभावित होगा तथा शारीरिक रूप से दोनों अस्वस्थता की अनुभूति करेंगे। इसका मुख्य प्रभाव Divya पर रहेगा जिससे वह गले तथा फेफड़ों से सम्बंधित परेशानी महसूस करेंगी। साथ ही कफ या शीतादि से भी उन्हें शारीरिक परेशानी होती रहेगी। मंगल के दुष्प्रभाव से भी Divya को धातु या गुप्त रोगों से परेशानी रहेगी जिससे मासिक धर्म सम्बन्धी अनियमितता भी हो सकती है। अतः मंगल के दुष्प्रभाव को समाप्त करने के लिए Tanish को नियमित रूप से हनुमान जी की उपासना तथा मंगलवार के उपवास रखने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति के दृष्टि से Tanish और Divya का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उनको संतति की प्राप्ति उचित समय पर होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार का अनावश्यक विलम्ब नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य जन्म का अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उनके उचित पालन पोषण करने के लिए पर्याप्त अवसर मिलेगा। इसके अतिरिक्त इनकी कन्या तथा पुत्र संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव काल के प्रति Divya के मन में अनावश्यक भय की भावना पहले से ही विद्यमान रहेगी जिससे वे मानसिक रूप से अशांति की अनुभूति करेंगी। अतः Divya को चाहिए कि ऐसी भय की भावना को मन से दूर करें क्योंकि उनका प्रसव बिना किसी विध्न या समस्या के सम्पन्न होगा तथा किसी भी प्रकार से प्रसूति संबधी चिकित्सा की उनको अनावश्यकता नहीं होगी साथ ही उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा सुदंर, स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में समर्थ रहेंगी। फलतः इससे सास ससुर तथा पति उनसे प्रसन्न रहेंगे।

Tanish और Divya बच्चों की उन्नति व्यवहार कुशलता एवं बुद्धिमता से प्रसन्न रहेंगे। साथ ही माता पिता की इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथा उनके सम्मान का हमेशा ध्यान रखेंगे। लेकिन माता की अपेक्षा पिता से उनका विशेष लगाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा का पूर्ण पालन करेंगे। अतः Tanish और Divya का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Divya के अपने ससुराल पक्ष के लोगों से अच्छे संबध रहेंगे साथ ही अन्य जनों की अपेक्षा सास से संबधों में अधिक मधुरता रहेगी। विवाह के बाद Divya अत्यंत ही धैर्य एवं परस्पर सामजंस्यता के भाव का पालन करेंगी। उनका यह धैर्य एवं सामंजस्यता का भाव भविष्य में उनके लिए अनुकूल सिद्ध होगा।

साथ ही ससुर के साथ भी सामंजस्य स्थापित करने में उन्हें कोई परेशानी नहीं होगी। अपनी मधुर वाणी एवं विनम्र व्यवहार से उनके हृदय को जीतने में समर्थ रहेंगी। इसी प्रकार अपनी मुक्त मित्रता की प्रवृति के कारण देवर एवं ननदों से भी संबध अनुकूल रहेंगे तथा उनकी ओर से Divya पूर्ण सहयोग अर्जित करने में समर्थ रहेंगी।

यद्यपि Divya अपनी ओर से समस्त ससुराल पक्ष के लोगों को सन्तुष्ट एवं प्रसन्न करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी परन्तु इन लोगों से इन्हें कोई विशिष्ट सहयोग नहीं मिलेगा तथा संबधो में औपचारिकता अधिक रहेगी।

ससुराल-श्री

Tanish तथा उनकी सास के आपसी संबधों में विशेष मधुरता नहीं रहेगी तथा कई मामलों में उनके मध्य काफी प्रबल मतभेद समय समय पर दृष्टि गोचर होंगे। अतः यदि परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता के भाव का प्रदर्शन किया जाय तो इन मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा आपसी संबधों में मधुरता के भाव की वृद्धि होगी जिससे स्नेह एवं सम्मान का भाव बना रहेगा।

लेकिन ससुर के साथ में Tanish के संबध अच्छे रहेंगे तथा वह उन्हें अपने पिता की तरह मान सम्मान तथा सेवा का भाव प्रदान करेंगे। साथ ही समयानुसार वह Tanish को अपनी ओर से बहुमूल्य तथा आवश्यक सलाह भी प्रदान करते रहेंगे एवं उन्हें अपने पुत्र के समान अपनत्व तथा स्नेह प्रदान करेंगे। साले एवं सालियों के साथ ही Tanish के संबध अच्छे रहेंगे तथा उनसे वांछित आदर सहयोग एवं सहानुभूति प्राप्त होती रहेगी। साथ ही उनसे सामंजस्य का भाव भी रहेगा। इस प्रकार ससुराल का दृष्टिकोण Tanish के प्रति अनुकूल ही रहेगा।